लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Tribune
दिनांक 11.11.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 7-8

Novel trends in agriculture

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University organised a conference on 'New Millennia: Agriculture Novel Trends and Future Scenario". VC Prof KP Singh was the chief guest, while Habinj Jack, Professor at the University of Technical and Biological Sciences, Poland, and Prof Doo-sun Kim of South Korea were present as the guest of honor. Scientists from more than 25 countries participated and presented their research papers. Prof Singh said for the advancement of agricultural sector, new dimensions such as nanotechnology-based monitoring, nano fertiliser, nano pasteurised, data mining, market-based agricultural production, market linkage, research on high-energy crops, agricultural products, emphasis on value-addition, new technology of food storage, modern techniques of dissemination of agricultural knowledge and importance of integrated farming system etc. were needed for agricultural advancement.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....
दिनांक 10.11.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-4

कार्यक्रम • 25 से अधिक देशों के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए

अधिक ऊर्जा वाली फसलों के शोध पर विशेष बल देगा एचएयू: प्रो. केपी सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

हकृवि में सम्मेलन के दौरान उपस्थित वैज्ञानिक।

एचएयू अधिक ऊर्जा वाली फसलों संबंधी शोध, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन और अन्न भंडारण की नई तकनीक पर विशेष बल देगा। यह बात एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि एचएयू में स्वर्ण जयंती हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे अंतरराष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने शानदार विचार प्रस्तुत किए थे। पोलैंड के तकनीकी एवं जीव विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. हबिंज जैक व साऊथ कोरिया के प्रो. डू-सुन किम वशिष्ट अतिथि के रूप में आए। 25 से अधिक देशों के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन में कृषि क्षेत्र की उन्नति के लिए भविष्य में नए आयाम जैसे कि नैनो तकनीक आधारित मोनिटरिंग, नैनो फर्टिलाइजर, नैनो पेस्टीसाइड, डाटा माइनिंग, मार्केट आधारित कृषि उत्पादन, मार्केट लिंकेज, कृषि ज्ञान के प्रचार प्रसार की आधुनिक तकनीकों व समेकित कृषि प्रणाली की महत्ता पर बल दिया। प्रो. केपी सिंह अंतरराष्ट्रीय पार्टनर्स को साथ लेकर काम करने का आह्वान किया। ताकि देश के किसानों को जल्दी से जल्दी आधुनिक कृषि तकनीक का लाभ मिल सके। विदेश से आए कृषि वैज्ञानिकों ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को स्थापना के 50 वर्ष किसानों की सेवा करने पर बधाई दी और आशा व्यक्त की नवीनतक तकनीक पर शोध कार्य जारी रहेंगे। बदलती जलवायु व किसानों की वर्तमान तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय अपनी शोध योजना तैयार करने बारे प्रेरित किया। समारोह में भारत मौसम विज्ञान विभाग, पृथ्वी मंत्रालय, भारत सरकार सह आयोजक थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....
दिनांक....9.11.2015.... पृष्ठ सं....3.... कॉलम....1-4....

कृषि क्षेत्र की उन्नति के लिए नैनो तकनीक अपनानी होगी : विदेशी वैज्ञानिक

25 से ज्यादा देशों के अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने प्रस्तुत किए शोध पत्र

हिसार, 8 नवम्बर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे स्वर्ण जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (गोल्डन जुबली इंटरनैशनल कॉन्फ्रैंस) न्यू मिलेनिया एग्रीकल्चर नॉवल ट्रेंडस एंड फ्यूचर सिनेरियो के समापन अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए, साथ ही कृषि क्षेत्र में नैनो तकनीक अपनाने पर जोर दिया गया। इस समापन अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे जबकि पॉलैंड के तकनीकी एवं जीव विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. हबिज जैक व साऊथ कोरिया के प्रो. डू-सुन किम विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस सम्मेलन में 25 से अधिक देशों के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन में उपस्थित अंतर्राष्ट्रीय पार्टनर्स को साथ लेकर काम करने का आह्वान किया व विदेशी प्रतिनिधियों को विश्वविद्यालय के साथ मिलकर उत्कृष्ट कृषि शोध कार्य करने के लिए गैप फिलिंग प्रोजैक्ट के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करने की पेशकश की जिससे कि प्रदेश के किसानों को जल्दी से जल्दी आधुनिक कृषि तकनीक का लाभ मिल सके।

मंच पर मौजूद कुलपति व अन्य वैज्ञानिक एवं समागार में मौजूद वैज्ञानिक।

वैज्ञानिकों ने इन तकनीकों पर दिया बल

प्रो. सिंह ने बताया कि सम्मेलन में कृषि क्षेत्र की उन्नति के लिए भविष्य में नए आयाम जैसे कि नैनो तकनीक आधारित मोनीटरिंग, नैनो फर्टिलाइजर, नैनो पेस्टीसाइड, डाटा माइनिंग, मार्कीट आधारित कृषि उत्पादन, मार्कीट लिंकेज, अधिक ऊर्जा वाली फसलों संबंधी शोध, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, अन्न भंडारण की नई तकनीक, कृषि ज्ञान के प्रचार-प्रसार की आधुनिक तकनीकों व समेकित कृषि प्रणाली की महत्ता पर बल दिया।

हकृवि के अंतर्राष्ट्रीय पार्टनर्स से स्टूडैंट व फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम को सुचारू रूप से चलाने व डूअल डिग्री प्रोग्राम को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया।

शोध कार्य कृषि व मार्कीट अनुसार हो : प्रो. डू-सुन किम

पॉलैंड के तकनीकी एवं जीव विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. हबिज जैक ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत हुए शोध पत्रों की तारीफ की व बताया कि भविष्य में कृषि क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए व कृषि वैज्ञानिकों में अभिनव सोच बनाने के लिए यह सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा। साऊथ कोरिया के प्रो. डू-सुन किम ने बताया कि बदलती जलवायु व किसानों की वर्तमान तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय अपनी शोध योजना तैयार करने बारे प्रेरित किया। उन्होंने कृषि को एक टिकाऊ व्यवसाय बनाने, भविष्य के शोध कार्यों को कृषि आधारित व मार्कीट की जरूरत अनुसार करने पर प्रेरित किया।

पोस्टर प्रतियोगिता के परिणाम : कृषि महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में डा. उपेंद्र कुमार, हकृवि, हिसार, अनीता रानी सहरावत महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, डा. वी.एस. पंघाल, हकृवि, हिसार, अहमद शाह मोहमदी, हरात विश्वविद्यालय, सरिता देवी, हकृवि, हिसार, डा. किरण सरोह, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, डा. टोडरमल पूनिया, हकृवि, हिसार, डा. के.के. कुंडू, हकृवि, हिसार, को बैस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में सुजाता कुमारी, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, डा. पूनम कुंडू, हकृवि, हिसार, एम.सी. कम्बोज, हकृवि, हिसार, लाइमायून जोगिता,पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, हिमानी जोशी, पंत नगर, तनवी बंसल हकृवि, हिसार, को बैस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता कृषि अभियांत्रिकी व तकनीकी महाविद्यालय में डॉ. अनिल पंघाल हकृवि, हिसार, डा. यादविका, हकृवि, हिसार, डा. शिखा मेहता, हकृवि, हिसार, इंजी. प्रमोद शर्मा, हकृवि, हिसार, कमलेश कुमार आचार्य, एन.डी.आर.आई., करनाल, इंजी. रवपनिल चौधरी, हकृवि, हिसार,, इंजी. विनोद कुमार, हकृवि, हिसार, को बैस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में डा. वरीज नैय्यर, सी.आई.आर.बी., हिसार, जयंती टोकस, हकृवि हिसार, सोनम अतिल, हकृवि हिसार, को बैस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हरि भूमि
दिनांक 9.11.2019 पृष्ठ सं. 13 कॉलम 2-6

स्वर्ण जयंती अंतराष्ट्रीय कांफ्रेंस सम्पन्न, सम्मेलन में जुटे अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक

कृषि उत्कृष्टता के लिए हकृवि करेगा अंतरराष्ट्रीय पार्टनर्स के साथ रिसर्च

- हकृवि कृषि क्षेत्र में रचनात्मक व नवीनतक तकनीक पर शोध कार्य जारी रखेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट व किसानों की मांग आधारित शोध को आगे बढ़ाने के लिए हकृवि अंतरराष्ट्रीय पार्टनरस के साथ मिलकर कार्य करेगा। यह आह्वान हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने स्वर्ण जयंती अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के समापन अवसर पर अपने संबोधन में किया।

समापन अवसर पर पोलैंड के तकनीकी एवं जीव विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. हबिंज जैक व साऊथ कोरिया के प्रो. डू-सुन किम विशिष्ट अतिथि थे। इस सम्मेलन में 25 से अधिक देशों के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। प्रो. केपी सिंह ने बताया कि सम्मेलन में कृषि क्षेत्र की उन्नति के लिए भविष्य में नए आयाम जैसे नैनो तकनीक आधारित मोनिटरिंग, नैनो फर्टिलाइजर, नैनो पेस्टीसाइड, डाटा माइनिंग, मार्केट आधारित कृषि उत्पादन, मार्केट लिंकेज, कृषि उत्पादों का मूल्य सवर्धन, अन्न भंडारण की नई तकनीक की आधुनिक तकनीकों व समेकित कृषि प्रणाली की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित अंतराष्ट्रीय पार्टनरस को साथ लेकर काम करने का आह्वान किया।

हिसार। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित वैज्ञानिक। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने विदेशी प्रतिनिधियों को विश्वविद्यालय के साथ मिलकर उत्कृष्ट कृषि शोध कार्य करने के लिए गैप फिलिंग प्रोजेक्ट के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करने की पेशकश की। साथ ही हकृवि के अंतर्राष्ट्रीय पार्टनरस से स्टूडेंट तथा फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम को सुचारू रूप से चलाने व डयूअल डिग्री प्रोग्राम को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया। उन्होंने देश की खाद्यान्न सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिकों से भविष्य में भी बेहतर कृषि शोध कार्य करने की आशा जताई। पोलैंड के तकनीकी एवं जीव विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. हबिंज जैक ने बताया कि भविष्य में कृषि क्षेत्र की चुनोतियों से निपटने के लिए व कृषि वैज्ञानिकों में अभिनव सोच बनाने के लिए सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा। साऊथ कोरिया के प्रो. डू-सुन किम ने हकृवि को स्थापना के 50 वर्ष किसानों की सेवा करने पर आशा व्यक्त की कि यह विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में रचनात्मक व नवीनतक तकनीक पर अपना शोध कार्य जारी रखेगा।

उन्होंने बताया कि बदलती जलवायु व किसानों की वर्तमान तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अपनी शोध योजना तैयार करने तथा कृषि को एक टिकाऊ व्यवसाय बनाने, भविष्य के शोध कार्यों को कृषि आधारित व मार्केट की जरूरत अनुसार करने पर प्रेरित किया।

इनको मिला बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड

कृषि महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में डॉ. उपेंद्र कुमार, हकृवि, अनीता रानी सहरावत मदवि रोहतक, डॉ. वीरेस पंचाल, हकृवि, अहमद शाह मोहमदी, हरात विश्वविद्यालय, सरिता देवी हकृवि, डॉ. किरण सरोह पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. टोडरमल पूनिया हकृवि, डॉ. केके कुंडू हकृवि को बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय में हुई प्रतियोगिता में सुजाता कुमारी, पीयू लुधियाना, डॉ. पुनम कुंडू हकृवि, एमसी कंबोज हकृवि, हिमानी जोशी पंत नगर, तनवी बंसल हकृवि को बेस्ट पोस्टर अवार्ड दिया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक जागरण....
दिनांक 9.11.2019 पृष्ठ सं. 19 कॉलम 1-8

विदेशी संस्थानों में एचएयू के वैज्ञानिकों व छात्रों को मिलेगा शोध का मौका

सम्मेलन में पहुंचे विदेशी सहयोगियों ने रिसर्च से लेकर छात्र एक्सचेंज प्रोग्राम तक के लिए एचएयू से मिलाया हाथ, 20 से अधिक देशों के वैज्ञानिकों ने रिसर्च रिपोर्ट की प्रस्तुत

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे स्वर्ण जयंती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (गोल्डन जुबली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस) न्यू मिलेनिया एग्रीकल्चर नॉवल ट्रेंडस एंड फ्यूचर सिनेरियो का शुक्रवार को समापन हुआ। इस कार्यक्रम में सबसे बड़ी बात यह रही कि अब एचएयू के वैज्ञानिकों व छात्रों को विदेशी संस्थानों में काम करने का मौका मिलेगा। तीन दिन के सम्मेलन में विदेशी मेहमान काफी प्रभावित हुए। उन्होंने जाते-जाते एचएयू से एक साथ रिसर्च, स्टूडेंट एक्सचेंज व डुअल डिग्री कोर्स चलाने पर सहमति भी दी है। समापन पर हकृवि के वीसी प्रो. केपी सिंह मुख्यातिथि रहे। जबकि पोलैंड के तकनीकी एवं जीव विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. हबिज जैक व साऊथ कोरिया के प्रो. डू-सुन किम विशिष्ट अतिथि थे। सम्मेलन में 20 से अधिक देशों के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

सम्मेलन पर विदेशी पार्टनर्स की राय

पोलैंड के तकनीकी एवं जीव विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. हबिज जैक ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत हुए शोध पत्रों की तारीफ की व बताया कि भविष्य में कृषि क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए व कृषि वैज्ञानिकों में अभिनव सोच बनाने के लिए यह सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा। साऊथ कोरिया के प्रो. डू-सुन किम ने भी कुछ इसी प्रकार अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु व किसानों की वर्तमान तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय अपनी शोध योजना तैयार करे। उन्होंने कृषि को एक टिकाऊ व्यवसाय बनाने, भविष्य के शोध कार्यों को कृषि आधारित व मार्केट की जरूरत अनुसार करने पर प्रेरित किया। इस समारोह के सह-आयोजक भारत मौसम विज्ञान विभाग, पृथ्वी मंत्रालय, भारत सरकार थे। समापन समारोह में हुए प्लेनरी सेशन के दौरान विभिन्न प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों व भविष्य की शोध पर मंथन किया गया।

स्वर्ण जयंती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

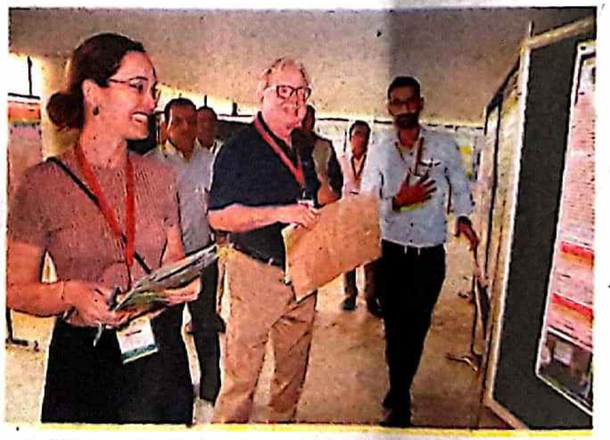

छात्राओं द्वारा लगाए पोस्टरों का अवलोकन करते विदेशी वैज्ञानिक।

सम्मेलन में इन विषयों पर एक्सपर्ट ने रखे विचार

प्रो. सिंह ने बताया कि सम्मेलन में कृषि क्षेत्र की उन्नति के लिए भविष्य में नए आयाम जैसे कि नैनो तकनीक आधारित मॉनिटरिंग, नैनो फर्टिलाइजर, नैनो पेस्टीसाइड, डाटा माइनिंग, मार्केट आधारित कृषि उत्पादन, मार्केट लिंकेज, अधिक उर्जा वाली फसलों संबंधी शोध, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, अन्न भंडारण की नई तकनीक, कृषि ज्ञान के प्रचार प्रसार की आधुनिक तकनीकों व समेकित कृषि प्रणाली की महत्ता पर बल दिया।

पोस्टर प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे

कृषि महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता

डा. उपेन्द्र कुमार, हकृवि, हिसार, अनीता रानी सहरावत महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, डा. वी.एस. पंघाल, हकृवि, हिसार, अहमद शाह मोहमदी, हरात विश्वविद्यालय, सरिता देवी, हकृवि, हिसार, डा. किरण सरोह, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, डॉ. टोडरमल पूनिया, हकृवि, हिसार, डॉ: के.के. कुण्डू, हकृवि, हिसार को बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता

सुजाता कुमारी, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, डा. पूनम कुंडू, हकृवि, हिसार, एम.सी. कबोज, हकृवि, हिसार, लाइमायून जोगिता, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, हिमानी जोशी, पंत नगर, तनवी बंसल हकृवि, हिसार, को बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता कृषि इंजीनियरिंग कालेज

डा. अनिल पंघाल हकृवि, हिसार, डा. यादविका, हकृवि, हिसार, डा. शिखा महता, हकृवि, हिसार, इंजी. प्रमोद शर्मा, हकृवि, हिसार, कमलेश कुमार आचार्य, एनडीआरआइ, करनाल, इंजी. स्वप्निल चौधरी, हकृवि, हिसार, इंजी. विनोद कुमार, हकृवि, हिसार, को बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय

डा. वरीज़ नैय्यर, सीआइआरबी, हिसार, जयंती टोकस, हकृवि हिसार, सोनम अतिल, हकृवि हिसार, को बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 9.11.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-4

कृषि क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने में मील का पत्थर साबित होगा सम्मेलन : प्रो. जैक

सम्मेलन में 25 से अधिक देशों के अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्र किए प्रस्तुत

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में न्यू मिलेनिया एग्रीकल्चर नॉवल ट्रेंड्स एंड फयूचर सिनेरियो विषय पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। समापन समारोह में एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे, जबकि पोलैंड के तकनीकी एवं जीव विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. हबिंज जैक व साउथ कोरिया के प्रो. डू सुन किम विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस सम्मेलन में 25 से अधिक देशों के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

इस मौके पर कुलपति ने बताया कि सम्मेलन में कृषि क्षेत्र की उन्नति के लिए भविष्य में नए आयाम जैसे कि नैनो तकनीक आधारित मॉनीटरिंग, नैनो फर्टिलाइजर, नैनो पेस्टीसाइड, डाटा माइनिंग, मार्केट आधारित कृषि उत्पादन, मार्केट लिंकेज, अधिक ऊर्जा वाली फसलों संबंधी शोध, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, अन्न भंडारण की नई तकनीक, कृषि ज्ञान के प्रचार प्रसार की आधुनिक तकनीकों व समेकित कृषि प्रणाली की महत्ता पर बल दिया।

अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक। - अमर उजाला

उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित अंतरराष्ट्रीय पार्टनर्स को साथ लेकर काम करने का आह्वान किया व विदेशी प्रतिनिधियों को विश्वविद्यालय के साथ मिलकर उत्कृष्ट कृषि शोध कार्य करने के लिए गैप फिलिंग प्रोजेक्ट के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करने की पेशकश की। प्रो. हबिंज जैक ने कहा कि भविष्य में कृषि क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए व कृषि वैज्ञानिकों में अभिनव सोच बनाने के लिए यह सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा। प्रो. डू सुन किम ने बदलती जलवायु व किसानों की वर्तमान तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय को अपनी शोध योजना तैयार करने बारे प्रेरित किया। समापन समारोह में हुए प्लेनरी सेशन के दौरान विभिन्न प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों व भविष्य की शोध पर मंथन किया गया।

एचएयू में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कृषि सम्मेलन संपन्न

यह रहे प्रतियोगिता के परिणाम

कृषि महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में एचएयू के डॉ. उपेंद्र कुमार, डॉ. बीएस पंघाल, सरिता देवी, डॉ. टोडरमल पूनिया, केके कुंडू, एमडीयू की अनीता रानी सहरावत, हरात विश्वविद्यालय के अहमद शाह मोहमदी, पंजाब विश्वविद्यालय की डॉ. किरण सरोह को बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में पीयू लुधियाना की सुजाता कुमारी, एचएयू की डॉ. पूनम कुंडू व एमसी कंबोज, पीयू लुधियाना की लाइमायून जोगिता, पंत नगर की हिमानी जोशी, एचएयू की तनवी बंसल को बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में डॉ. एचएयू के अनिल पंघाल, डॉ. यादविका, डॉ. शिखा महता, इंजी. प्रमोद शर्मा, एनडीआरआई करनाल के कमलेश कुमार आचार्य, एचएयू के इंजी. स्वप्निल चौधरी, इंजी. विनोद कुमार को बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वहीं बेसिक साइंस कॉलेज में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में सीआईआरबी की डॉ. वरीज नैय्यर, एचएयू की जयंती टोकस, सोनम आंतिल, को बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पारुक पक्ष
दिनांक 9.11.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-3

बदलती जलवायु व किसानों की वर्तमान तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखकर शोध करने पर बल

हिसार, 9 नवम्बर (निप्र) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे स्वर्ण जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (गोल्डन जुबली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस) न्यू मिलेनिया एग्रीकल्चर नॉवल ट्रेंड्स एंड फ्यूचर सिनेरियो के समापन अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। इस समापन अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्य अतिथि थे जबकि पोलैंड के तकनीकी एवं जीव विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. हबिंज जैक व साऊथ कोरिया के प्रो. डू-सुन किम विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस सम्मेलन में 25 से अधिक देशों के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। प्रो. सिंह ने बताया कि सम्मेलन में कृषि क्षेत्र की उन्नति के लिए भविष्य में नए आयाम जैसे कि नैनो तकनीक आधारित मोनिटरिंग, नैनो फर्टिलाइजर, नैनो पेस्टीसाइड, डाटा माइनिंग, मार्केट आधारित कृषि उत्पादन, मार्केट लिंकेज, अधिक उर्जा वाली फसलों संबंधी शोध, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, अन्न भंडारण की नई तकनीक, कृषि ज्ञान के प्रचार प्रसार की आधुनिक तकनीकों व समेकित कृषि प्रणाली की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित अंतर्राष्ट्रीय पार्टनरस को साथ लेकर काम करने का आह्वान किया व विदेशी प्रतिनिधियों को विश्वविद्यालय के साथ मिलकर उत्कृष्ट कृषि शोध कार्य करने के लिए गैप फिलिंग प्रोजेक्ट के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करने की पेशकश की जिससे कि प्रदेश के किसानों को जल्दी से जल्दी आधुनिक कृषि तकनीक का लाभ मिल सके। हकृवि के अंतर्राष्ट्रीय पार्टनरस से स्टूडेंट व फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम को सुचारू रूप से चलाने व डूअल डिग्री प्रोग्राम को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया ताकि अधिक से अधिक छात्र दूसरे देशों से तकनीकी लाभ ले सकें। कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट व किसानों की मांग आधारित शोध को आगे बढ़ाने के लिए सम्मेलन में उपस्थित अंतर्राष्ट्रीय पार्टनरस के साथ मिलकर कार्य करने को कहा। उन्होंने देश की खाद्यान्न सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिकों से भविष्य में भी बेहतर कृषि शोध कार्य करने की आशा जताई। पोलैंड के तकनीकी एवं जीव विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. हबिंज जैक ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत हुए शोध पत्रों की तारीफ की व बताया कि भविष्य में कृषि क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए व कृषि वैज्ञानिकों में अभिनव शोध बनाने के लिए यह सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा। साऊथ कोरिया के प्रो. डू-सुन किम ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को स्थापना के 50 वर्ष किसानों की सेवा करने पर बधाई दी और आशा व्यक्त की यह विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में रचनात्मक व नवीनतक तकनीक पर अपना शोध कार्य जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि बदलती जलवायु व किसानों की वर्तमान तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय अपनी शोध योजना तैयार करने बारे प्रेरित किया। उन्होंने कृषि को एक टिकाऊ व्यवसाय बनाने, भविष्य के शोध कार्यों को कृषि आधारित व मार्केट की जरूरत अनुसार करने पर प्रेरित किया। इस समारोह के सह-आयोजक भारत मौसम विज्ञान विभाग, पृथ्वी मंत्रालय, भारत सरकार थे। समापन समारोह में हुए प्लेनरी सेशन के दौरान विभिन्न प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों व भविष्य की शोध पर मंथन किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे

कृषि महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में डॉ. उपेन्द्र कुमार, हकृवि, हिसार, अनीता रानी सहरावत महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, डॉ. भी.एस. पंचाल, हकृवि, हिसार, महमद शाह मोहमदी, हरात विश्वविद्यालय, सरिता देवी, हकृवि, हिसार, डॉ. किरण सरोह, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, डॉ. टोडरमल पुनिया, हकृवि, हिसार, डॉ. के.के. कुण्डू, हकृवि, हिसार, को बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में सुजाता कुमारी, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, डॉ. पुनम कुंडू, हकृवि, हिसार, एम.सी. कंबोज, हकृवि, हिसार, लाइमायून जोगिता, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, हिमानी जोशी, पंत नगर, तनवी बंसल हकृवि, हिसार, को बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता कृषि अभियांत्रिकी व तकनीकी महाविद्यालय में डॉ. अनिल पंचाल हकृवि, हिसार, डॉ. यादविका, हकृवि, हिसार, डॉ. शिखा महता, हकृवि, हिसार, इंजी. प्रमोद शर्मा, हकृवि, हिसार, कमलेश कुमार आचार्य, एनडीआरआई, करनाल, इंजी. स्वपनिल चौधरी, हकृवि, हिसार,, इंजी. विनोद कुमार, हकृवि, हिसार, को बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में डॉ. बरीज नैयर, सीआइआरबी, हिसार, जयंती टोकस, हकृवि हिसार, सोनम अर्तिल, हकृवि हिसार, को बेस्ट पोस्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक जागरण....
दिनांक ....11.11.2019.... पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....1-3....

पोलैंड के वैज्ञानिकों संग मिलकर सूखे से निपटने वाली गेहूं की किस्में तैयार करेगा हकृवि

वैभव शर्मा • हिसार

भारत में जलवायु परिवर्तन फसलों के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। सूखे के कारण हर साल किसानों की हजारों एकड़ गेहूं की फसल बर्बाद हो जाती है। अब ऐसे ही हालात पोलैंड में भी बनने लगे हैं। इस मसले पर पोलैंड की द प्लांट ब्रीडिंग एंड एक्लामाइजेशन नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट यानि आइएचएआर में वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. हैब एडवर्ड अरसेनिक ने चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गेहूं अनुभाग में वैज्ञानिकों संग समीक्षा की। इन हालातों से निपटने के लिए दोनों ही संस्थानों ने एक साथ आने का फैसला लिया है। इसके लिए दोनों संस्थानों के वैज्ञानिक एक एमओयू साइन कर रिसर्च करेंगे। इस एमओयू का उद्देश्य गेहूं की ऐसी किस्में तैयार करना है, जो सूखे से निपटने में सक्षम हो।

भारत और पोलैंड एक ही प्रकार की समस्या से गुजर रहे हैं। पोलैंड में भी पीला रतुआ जैसी बीमारी सूखे के दौरान गेहूं में आ रही है। ऐसे में दोनों संस्थानों का एक साथ आना जरूरी बन गया है। डा. हैब एडवर्ड ने दैनिक जागरण से विशेष बातचीत करते हुए बताया कि हमने आगामी कॉन्फ्रेंस के लिए कुलपति प्रो. केपी सिंह को पोलैंड आने का आमंत्रण दिया है। इसके साथ ही हमने उनसे इस काम से जुड़ी समिति में बतौर चेयरमैन शामिल होने का प्रस्ताव भी दिया है।

एडवर्ड आरसेनिक विज्ञानी, पोलैंड। • जागरण

गेहूं में यह रोग हैं

रतुआ रोग- यह पत्तियों में होता है। पीला रतुआ व भूरा रतुआ ट्रिटी में ज्यादा आता था, मगर वर्ष 2000 के बाद भारत में गेहूं में भी इसकी शुरुआत हो गई। यह समस्या पहले पोलैंड में थी ही नहीं मगर अब क्लाइमेंट चेंज होने से वहां भी दिक्कत हो रही है।

सेप्टोरिया बीमारी- भारत में सेप्टोरिया बीमारी अभी कम है। मगर वैज्ञानिक मानते हैं कि भविष्य में यह भारत में भी बढ़ेगी, क्योंकि क्लाइमेट चेंज हो रहा है।

तीन दिन की कॉन्फ्रेंस पोलैंड में होगी आयोजित

वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. हैब एडवर्ड अरसेनिक ने बताया कि जल्द ही वह पोलैंड में एक कांफ्रेंस आयोजित करेंगे, जिसमें एचएयू के वैज्ञानिकों को भी बुलाया गया है। एचएयू की तरफ से एमओयू के दौरान वैज्ञानिक डा. ओपी बिश्नोई की भी मुख्य रूप से भागीदारी रहेगी। इस कांफ्रेंस के माध्यम से दोनों ही संस्थानों के वैज्ञानिक व शोधार्थी अपनी-अपनी रिसर्च के अनुसार मत रख सकेंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....अमर उजाला....
दिनांक 11.11.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-2

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. आरएस हुड्डा

सिंचित क्षेत्रों में 15 से 30 तक करें जौ की बिजाई

बारानी क्षेत्रों में जौ की बिजाई हो चुकी है। मगर सिंचित क्षेत्रों में बिजाई 15 से 30 नवंबर तक कर लें। जौ के लिए बीएच-75, बीचएच-885, बीएच-393, बीएच-946, और बीएच-902 बीजें। समय पर बिजाई के लिए सिंचित क्षेत्रों में 35 किलोग्राम व पछेती बिजाई के लिए 45 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ डालें। बिजाई कतारों में लगभग 22 सेंटीमीटर की दूरी पर करें। पछेती बिजाई में 18-20 सेंटीमीटर कतारों का फासला अच्छा पाया गया। जौ की अच्छी फसल लेने के लिए 24 किलोग्राम शुद्ध नाइट्रोजन (जो कि 52 किलोग्राम यूरिया खाद से ली जा सकती है) और 12 किलोग्राम शुद्ध फास्फोरस (75 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट) का अवश्य इस्तेमाल करें। आधी नाइट्रोजन की खाद व पूरी फास्फोरस बिजाई के समय डालें। बाकी नाइट्रोजन की खाद को पहले पानी के साथ दें। जमीन में पोटाश की कमी हो तो 6 किलोग्राम शुद्ध पोटाश (10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश) भी अवश्य डालें। रेतीली जमीन में प्रति एकड़ 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट का भी इस्तेमाल करें। दीमक से बचाव के लिए 600 मिलीलीटर क्लेरपाइरीफॉस 20 ईसी को पानी में मिलाकर कुल 12.5 लीटर घोल बनाकर बुवाई से पहले दिन 100 किलोग्राम बीज का उपचार करें। ऐसे बीज को रात भर पक्के फर्श पर पड़ा रहने दें। नमी से गेहूं व जौ का फूल जाता है, इसलिए सीड ड्रिल के सुराख दस प्रतिशत ज्यादा खोलें। बोने से पहले बीज का कार्बेंडाजिम या विटावैक्स (2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) से उपचार करें। उपचार बंद कंडुआ, जालीदार व धारीदार धब्बों वाले रोगों से बचाव करता है।

डॉ. आरएस हुड्डा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विस्तार शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

सवाल भेजें - (वाट्सअप) 7617566173 roh-cityreporter@roh.amarujala.com

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक जागरण....
दिनांक 9.11.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-4

कैंसर, डायबिटीज और हृदय रोग से बचाएंगे ये बिस्किट-केक

वैभव शर्मा • हिसार

केक और बिस्किट लोगों में डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों को रोकने में मदद करेंगे। आमतौर पर चिकित्सक केक-बिस्किट खाने से परहेज करने की सलाह देते हैं, मगर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फूड साइंस एंड न्यूट्रिशन डिपार्टमेंट के वैज्ञानिकों ने मोटे अनाज में पांच फीसद तुलसी पाउडर का प्रयोग किया, जिससे बिस्किट और केक में न्यूट्रिशन वैल्यू काफी बढ़ गई। इस रिसर्च को करने वाली एमरट्स साइंटिस्ट डॉ. सरोज दहिया व सीनियर रिसर्च फैलो सुमन बताती हैं कि तुलसी मिले उत्पादों का प्रयोग करने से डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने में मदद मिलेगी। अगर लोगों में कुपोषण की समस्या है तो प्रतिदिन इन उत्पादों के सेवन से ये समस्या भी खत्म हो जाएगी।

तुलसी और मोटे अनाज से बिस्कुट-केक तैयार करने वाली वैज्ञानिक डा. सरोज दहिया। • जागरण

जागरण विशेष

शोध

- एचएयू के वैज्ञानिकों ने मोटे अनाज में तुलसी मिलाकर तैयार किया उत्पाद
- कुपोषण की समस्या से लड़ने में भी मिलेगी मदद

रिसर्च से इंटरप्रन्योर्स को मिलेगा फायदा

वैज्ञानिक डॉ .दहिया ने बताया कि एक वर्ष पहले भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की तरफ से उभरता वैज्ञानिक स्कीम के तहत इस रिसर्च को शुरू किया था जो अभी तक जारी है। इसको काफी सराहना मिली है। उद्देश्य है कि इस तरीके से उत्पाद बनाना सीखकर महिलाओं के समूह, किसान या इंटरप्रन्योर्स अपना बिजनेस खड़ा करें।

इन उत्पादों में तुलसी का किया गया प्रयोग

डॉ. दहिया बताती हैं कि उन्होंने 60 फीसद बाजरा, 10 फीसद ज्वार व जई, 15 फीसद चना की दाल का मिश्रण लिया। इसके साथ ही तुलसी के पत्तों को सुखाकर पाउडर तैयार कराया। मोटे अनाज के इस मिश्रण में 5 फीसद तुलसी पाउडर मिलाया गया। इसके बाद टेस्ट किया गया तो सामने आया कि सामान्य केक व बिस्किट की तुलना में तुलसी वाले उत्पादों में न्यूट्रिशन वैल्यू बढ़ गई। इस मिश्रण से बने केक में 0.42 फीसद प्रोटीन, फैट 1.06 फीसद फैट, 0.47 फीसद फाइबर, 3.64 फीसद कैल्सियम, 0.83 फीसद आयरन पाया गया। बिस्किट में 0.36 फीसद प्रोटीन, 1.94 फीसद फैट, 0.84 फीसद फाइबर, 2.89 फीसद कैल्सियम, 0.64 फीसद आयरन मिला जबकि सामान्य बिस्किट और केक में इन न्यूट्रिशन की मात्रा काफी कम थी। इसके साथ ही तुलसी में एंटी ऑक्सीडेंट तत्व होता है जो कई बीमारियों से लड़ने की क्षमता रखता है। इस मिश्रण को ओट्स, सेब, मटर जैसे प्रोडक्ट में भी आजमाया गया है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिकों ने विदेशी वैज्ञानिकों के समक्ष अपनी रिसर्च प्रस्तुत की।